भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 887

05.02.2021 को उत्तर के लिए

वन क्षेत्र

887. श्री राजकुमार चाहर :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, एटा, हाथरस और ताज ट्रेपेजियम जोन (टिटिज़ेड) के भरतपुर अर्थात् छह जिलों में वन क्षेत्र बहुत कम है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत एक दशक में भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार उपरोक्त जिलों में वन क्षेत्र और वृक्षों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा उक्त जिलों में वन कृषि/वन क्षेत्र में वृद्धि करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार द्वारा टीटीजेड क्षेत्र में कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) जी हां। मंत्रालय का एक अधीनस्थ संगठन भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून द्विवार्षिक आधार पर देश में वन आवरण का आकलन करता है और उसके निष्कर्षों को भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) में प्रकाशित किया जाता है। इस श्रृंखला में नवीनतम आईएसएफआर-2019 है। आईएसएफआर-2019 के अनुसार, ताज ट्रेपेजियम ज़ोन (टीटीज़ेड) के छः जिलों में वन प्रतिशतता के साथ-साथ वन आवरण का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

राष्ट्रीय वन नीति, 1988 प्रावधान करती है कि देश में राष्ट्रीय लक्ष्य के तहत कुल भूमि क्षेत्र का न्यूनतम एक तिहाई हिस्सा वन या वृक्ष आवरण होना चाहिए। पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में क्षरण और भूमि अवक्रमण को बचाने और नाजुक पारि-प्रणालियों की स्थिरता को सुनिश्चित करने हेतु यह लक्ष्य ऐसे आवरण के तहत दो-तिहाई क्षेत्र को बनाए रखने का होना चाहिए।

(ग) आईएसएफआर के अनुसार, पिछले दशकों में ताज ट्रेपेजियम ज़ोन (टीटीज़ेड) के छः जिलों के वन आवरण का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा वन आवरण की जिला-वार सूचना का अनुमान नहीं लगाया गया है। भारतीय वन सर्वेक्षण, राष्ट्रीय वन सूची कार्यक्रम के तहत वन और वनों के बाहर के वृक्षों के संबंध में एकत्रित किए गए सूचीकृत आंकड़ों का उपयोग करते हुए राज्य-वार वृक्ष आवरण का आकलन करता है। टीटीज़ेड (उत्तर प्रदेश और राजस्थान) में राज्यों के लिए वृक्ष आवरण का राज्य-वार ब्यौरा **अनुबंध-III** में दिया गया है।

(घ) और (ङ) देश में वृक्ष और वन आवरण को बढ़ाने के लिए विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित स्कीमें जैसे कि राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम और हरित भारत मिशन के अंतर्गत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वनीकरण कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं। ये वनीकरण कार्यकलाप महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी स्कीम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रतिपूरक वनीकरण निधि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों/निधियन स्रोतों तथा संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की स्कीमों/योजनाओं के अंतर्गत भी किए जाते हैं। राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम के तहत, वर्ष 2017-18 के दौरान उत्तर प्रदेश के तीन जिलों नामत: आगरा, फिरोजाबाद और हाथरस में रखरखाव के लिए 9.58 लाख रूपए की धनराशि जारी की गई और वर्ष 2018-19 के दौरान उत्तर प्रदेश के दो जिलों नामत: आगरा और फिरोजाबाद के लिए 3.00 लाख रूपए की धनराशि जारी की गई। वर्ष 2019-20 के दौरान कोई निधि जारी नहीं की गई।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश वन विभाग ने यह सूचित किया है कि कृषि और किसान विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की गई कृषि वानिकी स्कीम के उप-मिशन के अंतर्गत खेत के साथ बनी मेंडों पर पौधरोपण के लिए चार वर्षों के दौरान प्रति पौधा 35.00 रूपए (14.00रू.+7.00रू.+7.00रू.+7.00रू.) की सहायता वितरित की गई और फसलों के साथ वृक्षारोपण के लिए चार वर्षों के दौरान प्रति पौधा 28.00 रूपए (11.20रू.+5.60रू.+5.60रू.+5.60रू.) वितरित किए गए।

कृषि वानिकी के तहत टीटीज़ेड जिलों में पौधरोपण का ब्यौरा

क्र.सं.	**जिला**	**खेतों के साथ बनी मेंडों पर पौधरोपण (संख्या)**	**फसलों सहित वृक्षारोपण (संख्या)**
1	फिरोजाबाद	76,000	50,000
2	हाथरस	18,214	7,000

राजस्थान वन विभाग, स्थानीय लोगों को कृषि वानिकी के लिए उचित पौध अंकुर सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य दर पर उपलब्ध करा रही है। गत पांच वर्षों में भरतपुर जिले में लगाए गए पौधों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

वित्तीय वर्ष	**पौधरोपण क्षेत्र (हेक्टेयर में)**
2016-17	353
2017-18	60
2018-19	165
2019-20	200
2020-21 (दिसम्बर तक)	728.32
कुल	**1506.32**

****

अनुबंध ।

'वन क्षेत्र' के संबंध में दिनांक 05.02.2021 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 887 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2019 के अनुसार ताज ट्रेपेजियम ज़ोन के छः जिलों का वन आवरण

(वर्ग किलोमीटर में क्षेत्र)

ताज ट्रेपेजियम ज़ोन के छः जिले	**भौगोलिक क्षेत्र**	**कुल वन आवरण**	**भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत**
आगरा (उत्तर प्रदेश)	4,041	262.62	6.50
मथुरा (उत्तर प्रदेश)	3,340	57.04	1.71
फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)	2,407	58.60	2.43
एटा (उत्तर प्रदेश)	2,431	26.18	1.08
हाथरस (उत्तर प्रदेश)	1,840	23.00	1.25
भरतपुर (राजस्थान)	5,066	230.27	4.55

अनुबंध ।।

'वन क्षेत्र' के संबंध में दिनांक 05.02.2021 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 887 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार पिछले दशक में ताज ट्रेपेजियम ज़ोन के छः जिलों का वन आवरण

(वर्ग किलोमीटर में क्षेत्र)

ताज ट्रेपेजियम ज़ोन के छः जिले	**भौगोलिक क्षेत्र**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वन आवरण 2011**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वन आवरण 2013**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वन आवरण 2015**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वन आवरण 2017**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वन आवरण 2019**
आगरा (उत्तर प्रदेश)	4,041	276	273	273	272	262.62
मथुरा (उत्तर प्रदेश)	3,340	60	58	58	60	57.04
फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)	2,407	47	48	48	49	58.60
एटा (उत्तर प्रदेश)	2,431	99	98	98	31	26.18
हाथरस (उत्तर प्रदेश)	1,840	23	23	23	23	23.00
भरतपुर (राजस्थान)	5,066	238	243	240	229	230.27

अनुबंध ।।।

'वन क्षेत्र' के संबंध में दिनांक 05.02.2021 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 887 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार पिछले दशक में ताज ट्रेपेजियम ज़ोन के वन आवरण का राज्य-वार ब्यौरा

(वर्ग किलोमीटर में क्षेत्र)

राज्य	**भौगोलिक क्षेत्र**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वृक्ष आवरण 2011**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वृक्ष आवरण 2013**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वृक्ष आवरण 2015**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वृक्ष आवरण 2017**	**आईएसएफआर के अनुसार कुल वृक्ष आवरण 2019**
उत्तर प्रदेश	240,928	7,382	6,895	7,044	7,442	7,342
राजस्थान	342,239	8,272	7,860	8,269	8,266	8,112

****